केंद्रीय विद्यालय आ.सु.अ. आबू पर्वत (राज.)

KENDRIYA VIDYALAYA I.S.A. MOUNT ABU

School E-Magazine
Session-2021-22

Website- www.crpfmountabu.kvs.ac.in

Kendriya Vidyalaya ISA Mount Abu ***is one of the premier academic institution in Mount Abu was established on 10 July 1979 when Kendriya Vidiyalaya Sangathan, an autonomous body under the Ministry of Human Resource Development, Government of India stamped its hallmark and took over the Cama Rajputana building. Later in the year sep 1993 The school was shifted to a new building. Rejecting its academic excellence. It is situated on the pirracle of Aravali Hills at the height of 1200 ft and 1 Km away from the city of Mount Abu. An aura of peace...***

OUR Vision

To pursue excellence and set the pace in the field of school education .To initiate and promote experimentation and innovativeness in education in collaboration with other bodies like the Central Board of Secondary Education and the National Council of Educational Research and Training etc.

OUR Mission

To cater to the educational needs of children of transferable Central Government including Defence and Para-military personnel by providing a common programme of education. To pursue excellence and set the pace in the field of school education.

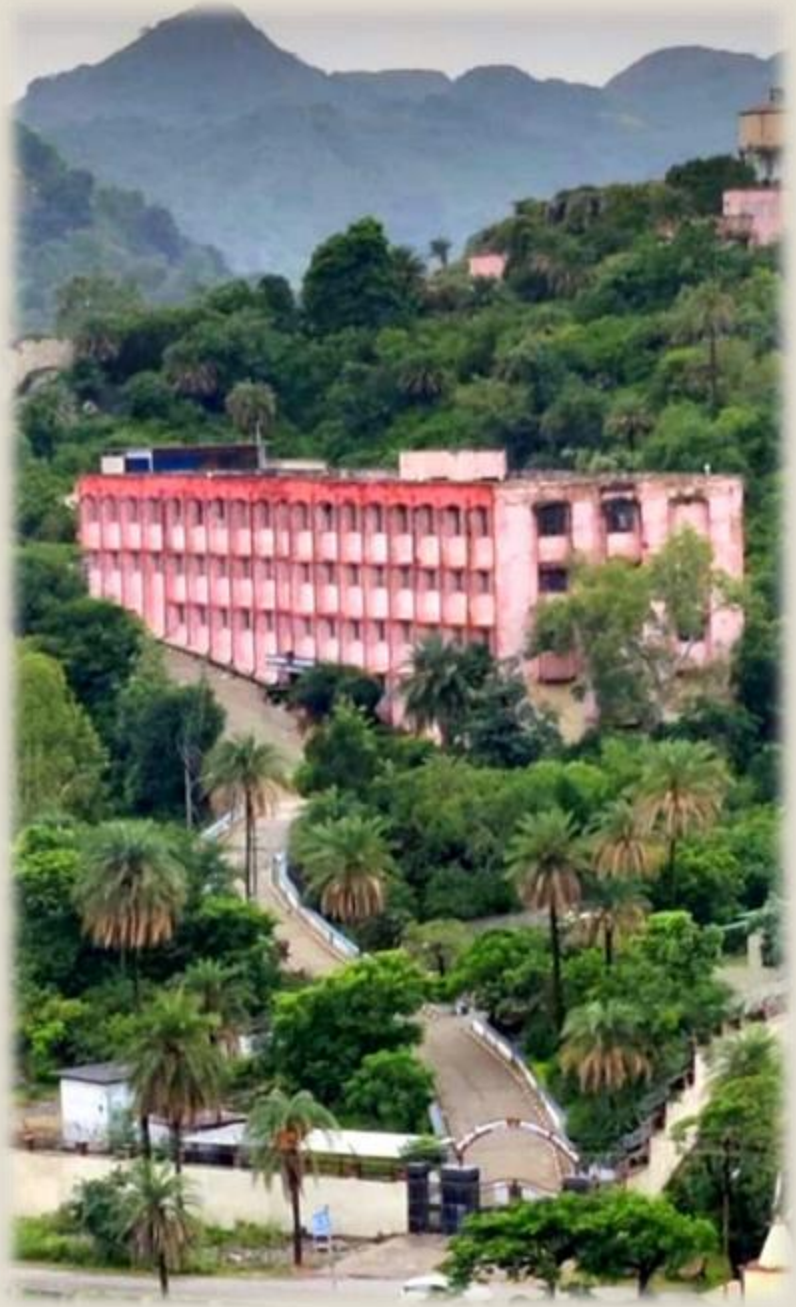

संदेश

विद्यालय शब्द का जिक्र होते हुए हमारे मन में आलय, उस पवित्र स्थल की ओर ध्यानाकर्षित हो आता है जहां से शिक्षा की धारा प्रस्फुटित होती है,जहां से एक बालक के सर्वांगीण विकास का संचार रचा जाता है। शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की गंगा है। इसका प्रवाह मनुष्य को जड़ता से मुक्त कर कर्मपथ पर अग्रसर करता हुआ ह्रदय की शुष्कता और तमस को दूर कर तरलता तथा उजास भर देता है। यहां विद्यार्थी अलग-अलग विषयों का ज्ञानार्जन करता हुआ जीवन का सबसे स्वर्णिम काल व्यतीत करता है।

यह ई-पत्रिका कोविड-19 जैसी महामारी के दौर में विदयालयों में अध्ययन, रचनात्मक ऊर्जा बरकरार रहे, इसका सराहनीय प्रयास है। इस महामारी में ऑनलाइन शिक्षण द्वारा विद्यार्थियों का तकनीकी ज्ञान बढा है। ई-पत्रिका द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए किए जा रहे क्रियाकलापों की झलक को प्रस्तुत करने का सुनहरा मंच है जहां विद्यार्थी ज्ञानतत्व के अतिरिक्त खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता है तथा अपनी पूर्ण क्षमताओं का उपयोग करते हुए हर क्षेत्र में में अपनी रचनात्मकता के सागर से ज्ञान मोती चुन पाता है।

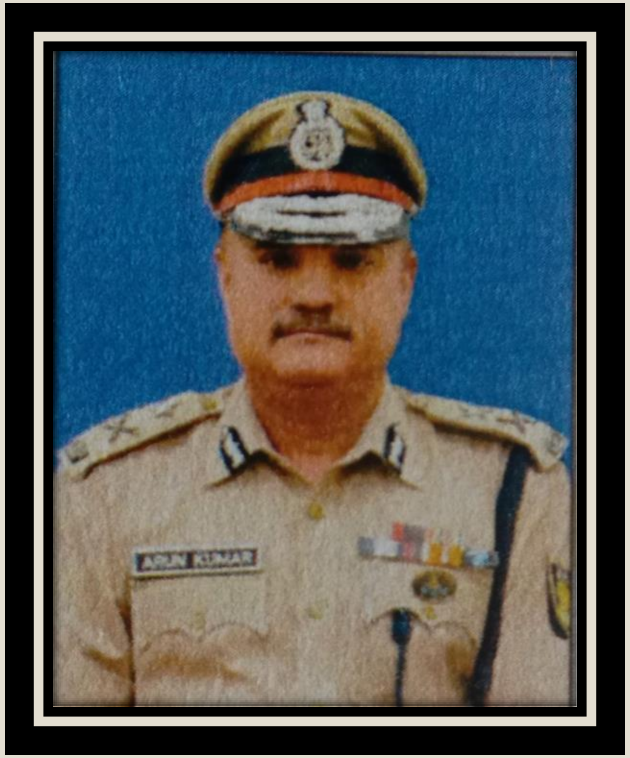

नई शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों का व्यावहारिक ज्ञान देने पर बल देती है। इस वर्ष विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए कक्षा एक से पांचवीं तक अतिरिक्त व्यवस्था द्वारा विद्यार्थियों के प्रवेश को सुगम बनाया गया है। अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश का अवसर मिल रहा है।

केंद्रीय विद्यालय, आबू पर्वत (राजस्थान) द्वारा विद्यालय पत्रिका 2021-22 के प्रकाशन हेतु ली गई सकारात्मक पहल नि:संदेह हमारे मन को आह्लादित एवं उमंग से भर देने का प्रयास है तथा इसके लिए मैं सम्पूर्ण केंद्रीय विद्यालय परिवार और संपादकीय मंडल को मुबारकबाद देता हूं। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष होने के नाते विद्यालय की उन्नति का में साक्षी हूं। मेरी शुभकामनाएं सदैव विद्यालय परिवार के साथ रहेगी।

श्री अरुण कुमार

निदेशक/महा निरीक्षक
सहअध्यक्ष-नाराकास
आंतरिक सुरक्षा अकादमी,के.रि.पु.बल
आबू पर्वत (राजस्थान)

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय आबू पर्वत अपनी ई-विद्यालय पत्रिका 2021-22 का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका वर्षभर की गतिविधियों की झांकी प्रस्तुत करती है जिसके माध्यम से विद्यालय की विशेषताओं एवं उपलब्धियों के बारे में सभी को जानने का अवसर मिलता है ।पत्रिका के सर्जन में विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें प्रकाशित होने वाले लेख,कहानी,कविताओं तथा अन्य रचनाओं का संकलन विद्यालय के छात्र एवं शिक्षको द्वारा किया जाता है, फलस्वरूप बच्चों की प्रतिभा को निखारने का यह एक अनुपम अवसर प्रदान करता है ।मैं, पत्रिका के लेखन व प्रकाशन कार्य से जुड़े सभी शिक्षकों एवं छात्रों का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन करता हूं एवं प्राचार्य से यह अपेक्षा करता हूं कि केंद्रीय संगठन के लक्ष्य के अनुरूप विद्यालय मैं सभी पाठ्यसहगामी क्रियाओं का सुचारू रूप से संपादन करते रहेंगे ताकि बच्चों का बहुआयामी विकास संभव हो सके ।

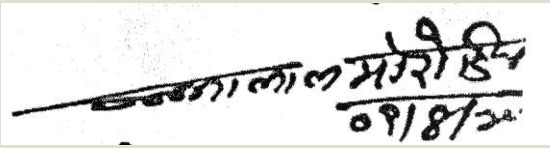

श्री बी.एल.मोरोड़िया
उपायुक्त

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय, आबू पर्वत सत्र 2021-22 की विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है l विद्यालय पत्रिका विद्यालय के छात्र- छात्राओं को, उनके अंदर निहित प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का शुभ अवसर देती है l बालमन कल्पनाओं का अथाह सागर है l सपनों को साकार करने की बाल सुलभ चेष्टा विभिन्न आकारों में उभर कर आती है और विद्यालय पत्रिका उन बढ़ते कदमों को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त माध्यम है lपत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अन्य सभी को विद्यालय में आयोजित साल भर की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त होती है lमैं केंद्रीय विद्यालय, आबू पर्वत के प्राचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों, एवं विद्यार्थियों को विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूं l

श्री दिग्गजराज मीना
सहायक आयुक्त

प्राचार्य की कलम से

शिक्षा का दायित्व छात्र मन में सुख शक्ति को जागृत करना एवं उनका परिमार्जन कर उसे समाज एवं देश के लिए सुयोग्य नागरिकों का निर्माण करना है। रविंद्र नाथ टैगोर का कथन उचित है-" शिक्षा वह है जो हमें ज्ञान मात्र से ही नहीं बल्कि सौहार्द्र से हमारे जीवन के अस्तित्व की पूर्ति करती है।" बालमन की सृजनशीलता के पल्लवन हेतु विद्यालय पत्रिका वरदान स्वरुप है। उसका परिवेश उसे नित्य नवीन रचना करने की प्रेरणा देता है तथा उनकी रचनाओं के प्रकाशन हेतु उन्हें अवसर प्राप्त होता है उनमें आत्मविश्वास भरता है।

बाल मन की भावनाओं की अभिव्यक्ति का संकलन ई-पत्रिका के प्रकाशन हेतु मैं माननीय श्री बी एल मोरोड़िया,उपायुक्त के.वी.संगठन, जयपुर संभाग, सम्माननीय श्री अरुण कुमार, पुलिस महा निरीक्षक,आ.सु.अ. आबू पर्वत तथा अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति आबू पर्वत आदि अधिकारियों का आशीर्वाद संदेश प्राप्त हुआ, जिसके लिए मैं सभी का हार्दिक आभार प्रकट करता हूं। मैं प्रकाशन हेतु संपादक मंडल के सभी सदस्यों, विद्यार्थियों एवं उभरते हुए रचनाकारों को बधाई व शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद ।

श्री एस.एन.मीना
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय
आबू पर्वत

Duty Principal's Message

Greetings,

We are living in a world where the advent of technology has blurred all the boundaries and created a global village. The quantum of success

has changed and competition has increased manifold. With this has developed an attitude for winning and a roaring spirit, yearning for

achievement. In such a scenario, I feel proud to be a part of Kendriya Vidyalaya Sangathan which aims to prepare global citizens.

Education should aim at preparing a mindset for excellence and

excellence can be achieved in various fields depending on a child's capacities and capabilities. To me, the key to quality education lies in the pedagogy and integrated programme of experiential learning. At Kendriya Vidyalaya, Mount Abu, we take on the task of character building along with academics.

Mr. Ravinder Tak
Duty Principal

संपादक की कलम से

बालमन उमंगों, उत्साह एवं जोश से भरा होता है, यही उमंग, उत्साह एवं जोश देखते-देखते कब कलमबध्द हो जाते हैं और कल्पना का रसायन पीकर शब्दों का साकार सफर कविताओं में परिवर्तित हो जाता है, इसका ही साकार रूप है, कक्षा-पत्रिका का यह मुक्त मंच | अतः बालमन में छिपी कल्पनाओं, भावनाओं को शब्दबध्द करने के लिए प्रेरित करती है, उन्हें हमारी कक्ष-पत्रिका, जो बालकों के चरित्र को वैचारिक रूप से संपन्नता प्रदान करती है तथा उनके व्यक्तित्व को रचनात्मक ऊँचाई देती है, जिससे वे अनजान थे; उन्हें स्वयं से अपना परिचय करवाती है - यह कक्षा-पत्रिका, जो बालमन की उन मधुर स्मृतियों का पाथेय है, जो उन्हें जीवन के हर चरण पर अग्रेसित करने के लिए औषधि एवं अमृत का कार्य करती है | उनके यही अमृतमय विचार उनमें रचनात्मकता , सृजनात्मकता के बीजों का अनायास ही वपन करते हैं और उनकी आँखों में एक अप्रतिम सर्जक की चमक एवं सोच का विकास करते है और यह रचनात्मक कौशल तब उनमें एक अपार आनन्दानुभूति का संचार करते हैं जब वे अपनी रचना, कक्षा-पत्रिका में पढ़ते हैं और आत्मविश्वास से भर जाते हैं | इनके वैचारिक वैभव को पत्रिका का रूप देने का संपूर्ण श्रेय प्राचार्य श्री एस.एन मीना सर के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं कर्मनिष्ठा को जाता है |

मैं संपादक मण्डल के सभी विद्यार्थियो एवं कक्षा 12 (अ एवं ब) के सभी विद्यार्थियो को शुभकामनाए देती हूँ जिन्होंने कक्ष-पत्रिका के निर्माण में सहयोग प्रदान किया |

श्रीमती सोनल शर्मा

स्नातकोत्तरल शिक्षिका (हिन्दी)

Student Editorial Board

Neha Parashar
XII (SC.)

Kritika Barua
XII (SC.)

Shruti Singh
XII (SC.)

Subham Saud
XII (SC.)

Moinuddin Qureshi
XII (SC.)

Dishan Vaishnav
XII (Hum.)

Teamwork is the collaborative effort of a group to achieve a common goal or to complete a task in the most effective and efficient way.

Our Prestigious Staff

Post Graduate Teachers

Mr. Ravinder Tak
-PGT(Physics)

Mrs.Sonal Sharma
-PGT(Hindi)

Mr. Rajendra Kumar Meena
-PGT(Geography)

Mrs. Shilpi Bansal
-PGT(Economics)

Mr. Rajesh Meena
-PGT(Comp.Sc.)

Mr. Ranjit Kumar Kanojia
-PGT(History)

Mrs. Anita Hussain
-PGT(Chemistry)

Mrs. Sreeja Nair
-PGT(English)

Mr. Manraj Meena
-PGT(Biology)

Mrs.Shefali Verma
-PGT(Mathematics)

Trained Graduate Teachers

Mrs.Anjali Sancha
-TGT(English)

Mr. Mukesh Tailor
-TGT (Social St.)

Mr. Rakesh Kumar Meena
-TGT(Science)

Mr. Narendra Kumar
-TGT(Sanskrit)

Mr.Ramesh Kumar
Patel
-PET

Smt. Girija
Kumari Sharma
-TGT(WE)

Ms.Shagufta
Quazi
-TGT(Art.)

Mr. Hemendra
Singh
-TGT(Mathematics)

Mrs. Tanu Khurana
-TGT(English)

Mrs. Varsha Swami
-TGT(Hindi)

Mrs. Archana Meena
-Librarian

Mr. Ramandeep Singh
-TGT(Mathematics)

Primary Teachers

Mrs. Rekha Agrawal
-PRT

Mrs.Rekha Vyas
-PRT(Music)

Mrs.Priyanka Meena
-PRT

Mr. Amar Singh Meena
-PRT

Mrs. Ritu Yadav
-PRT

Smt.Sonu Kumari Meena
-PRT

Ms.Sonali Rana
-PRT

Smt.Neelam Kumari
-PRT

Ms. Manju Meena
-PRT

Mr. Maroti Dukre
-PRT

Mr. Pradhan
Kishore Devidas
-PRT

Mrs. Kirti Gupta
-PRT(Music)

Our Pride

CBSE Class 12 Toppers 2020-21

ROSHNI JAISWAR
91.4% (Science)

SADHAVI TIWARI
90.4%(Science)

DIMPLE BUDHWANI

RUHANI KUMAR 92.8%(Humanities)

CBSE Class 10 Toppers 2020-21

LAVANYA SINGH
94.6%

MANJEET SINGH
93.8%

Sports and Yoga activities

Virtual celebration of International yoga day

- INNER PEACE BEGINS THE MOMENT YOU CHOOSE NOT TO ALLOW ANOTHER PERSON OR EVENT TO CONTROL YOUR EMOTIONS.

- ***YOUR SOUL IS YOUR BEST FRIEND. TREAT IT WITH CARE, NURTURE IT WITH GROWTH, FEED IT WITH LOVE.***

- ***YOGA BEGINS RIGHT WHERE I AM – NOT WHERE I WAS YESTERDAY OR WHERE I LONG TO BE.***

<u>Fit India Movement</u>

Academics

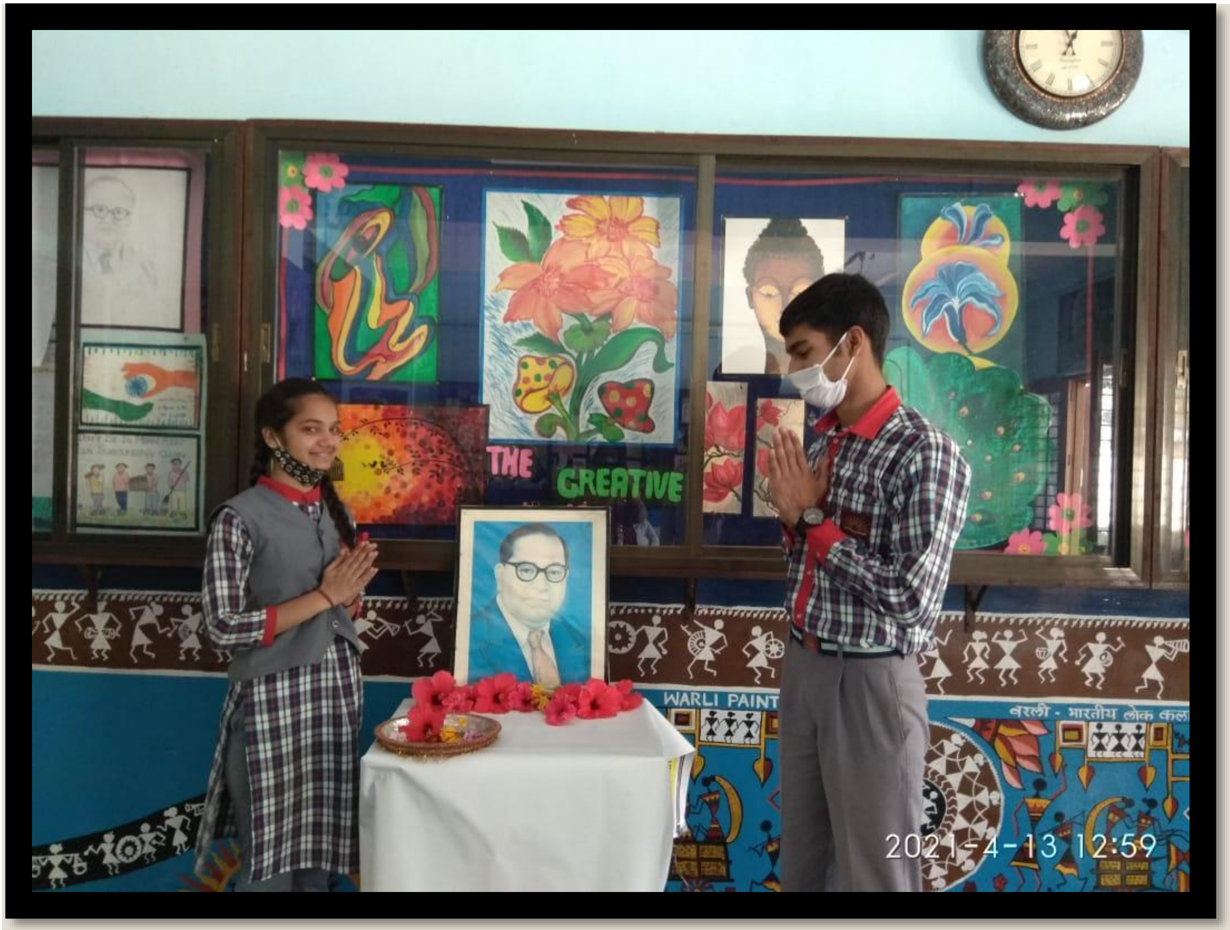

Birth Anniversary of Dr. Bhimrao Ambedkar

Virtual Annual Panel Inspection

5 सितम्बर

आबू पर्वत
आपका

आपका
Shot on OnePlus
By R1 Pix®

PRINCIPAL BEAWAR

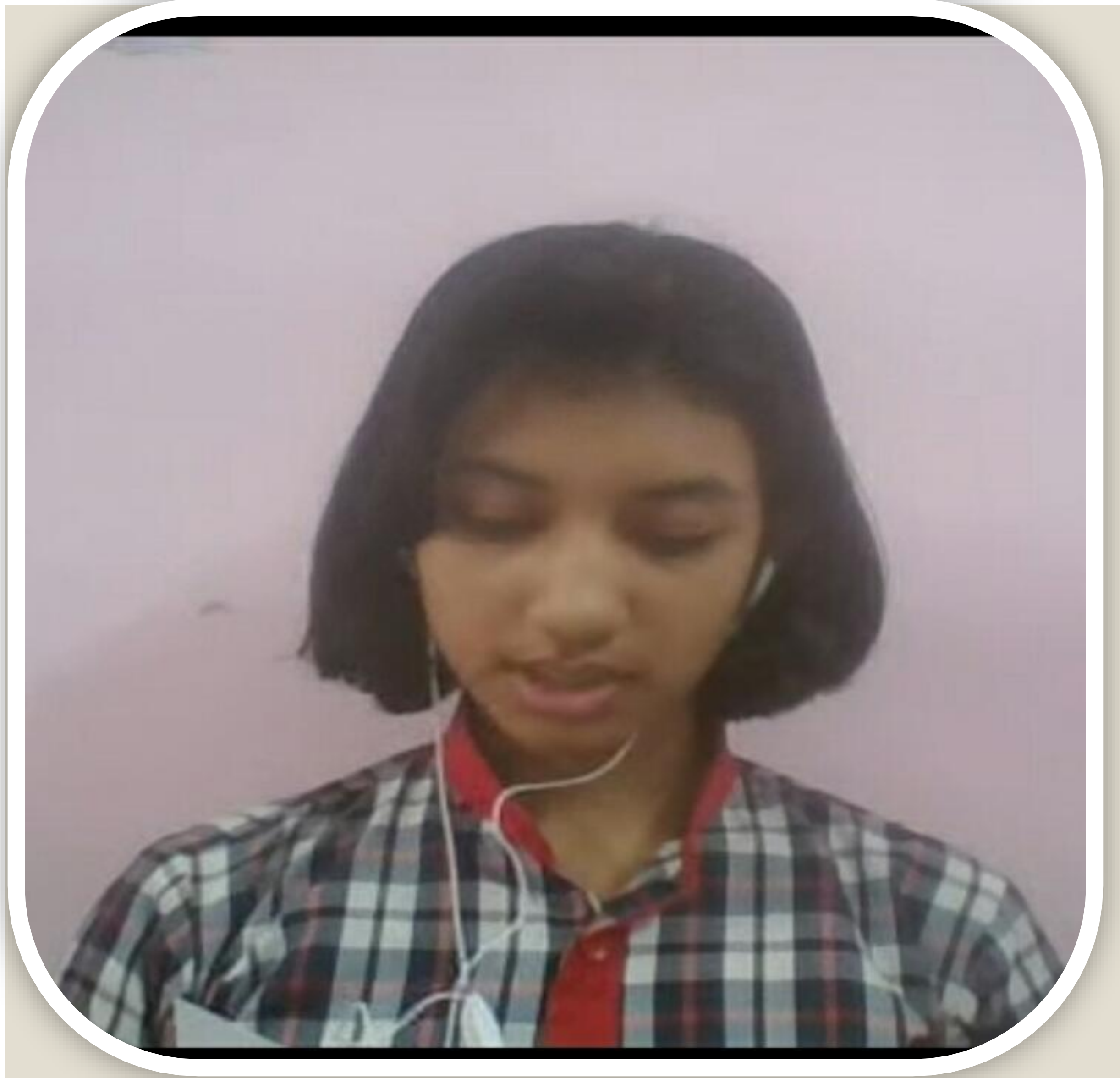

Virtual Assembly

Greetings

<u>Cultural Program</u>

Arts & Drawings

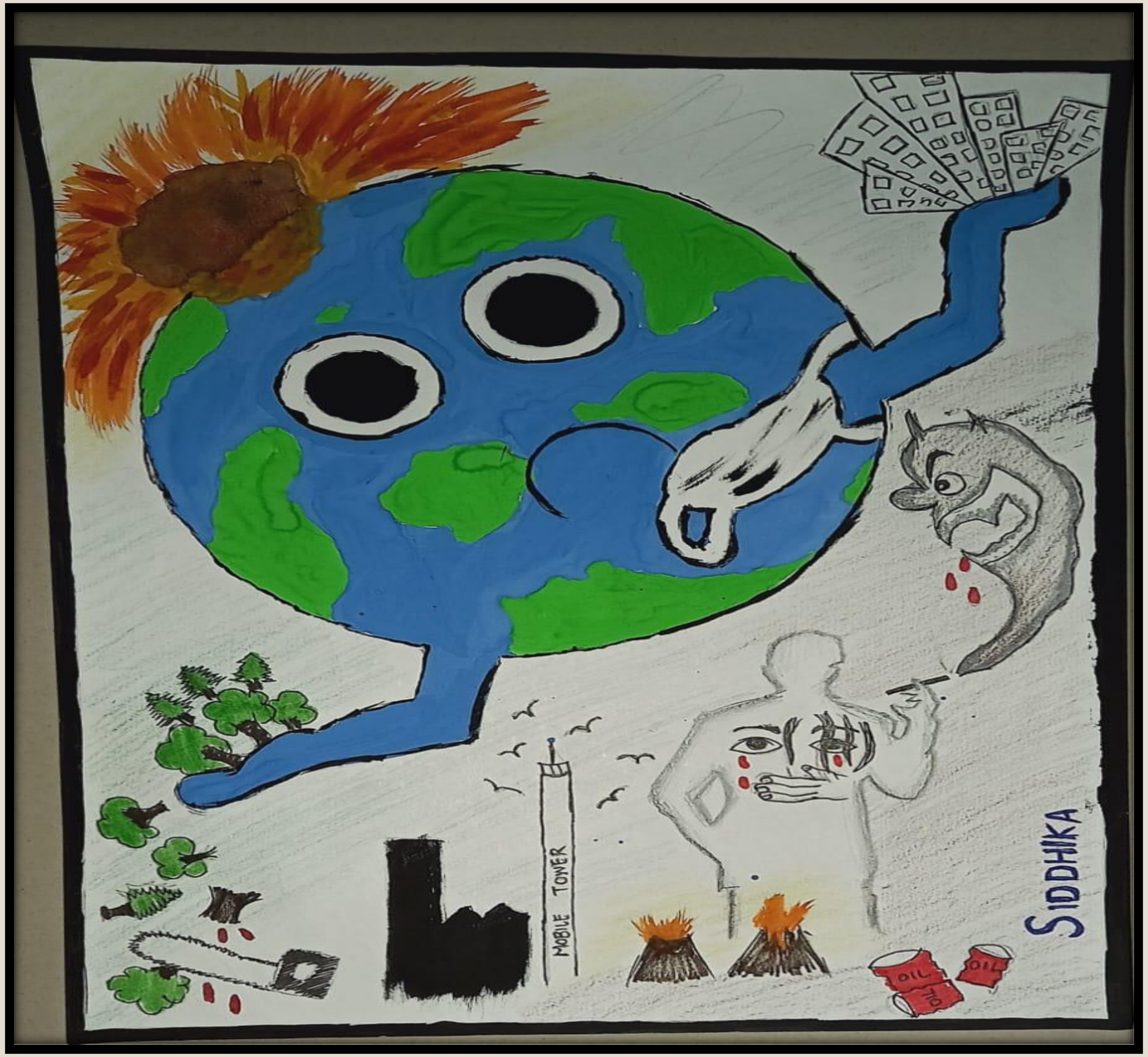
MOBILE TOWER
OIL
OIL
OIL
SIDDHIKA

HAPPY EARTH DAY...

SAVE EARTH...
Save water

Save Earth

Himanshi Mandal
7B
Save Earth
Live green
Love green
Be Green
We are
just mankind
without
the earth
The greasted
Threat to our
plant is the
Belif that
Someone Else
Will save it
Save our
Mother Earth
Stop Global
Warming!
Life is Possible
only on Earth
Protect
Save
Earth

Plant Trees
Eat left overs
EDUCATE
Recycle
Refuse

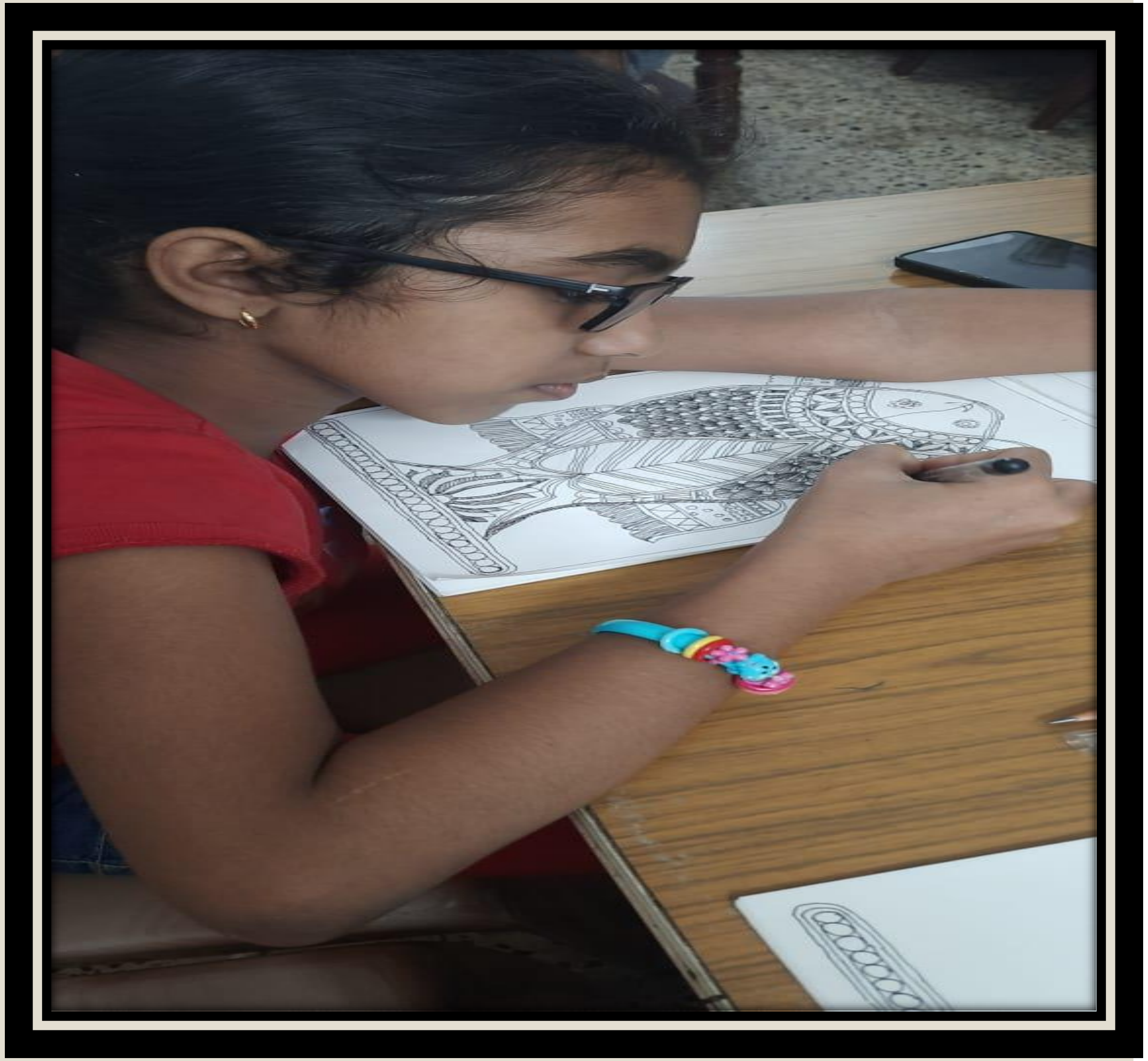

संस्कृतम

अनुक्रमणिकाः

- संस्कृतगीतं अमृतवाणी संस्कृतभाषा
- संस्कृतगीतं मनसा सततम्स्मरणीयम्
- रामायण की प्रमुख सूक्तियाँ
- महाभारत की सूसूक्तियाँ
- सुभाषितानि

संस्कृतगीतं
अमृतवाणी संस्कृतभाषा।

नैव क्लिष्टा न च कठिना।
सुरस सुबोधा विश्वमनोज्ञाललिता हृद्या रमणीया।
अमृतवाणी संस्कृतभाषानैव क्लिष्टा न च कठिना ।
कविकुलगुरु वाल्मीकि विरचितारामायण रमणीय कथा।
अतीवसरला मधुर मंजुलानैव क्लिष्टा न च कठिना ।
व्यास विरचिता गणेश लिखितामहाभारते पुण्य कथा।

कौरव पाण्डव संगर मथितानैव क्लिष्टा न च कठिन।
कुरुक्षेत्र समरांगणगीताविश्ववंदिता भगवद्गीता।
अतीव मधुरा कर्मदीपिकानैव क्लिष्टा न च कठिना ।।
कवि कुलगुरु नव रसोन्मेषजाऋतु रघु कुमार कविता।
विक्रम-शाकुन्तल-मालविकानैव क्लिष्टा न च कठिना ।।
जयतु संस्कृतम्।
जयतु भारतम्।।

-साभारमयूराक्षी
कक्षा VII अ

संस्कृतगीतं
मनसा सततम्स्मरणीयम्

मनसा सततम् स्मरणीयम्वचससा

सतततम् वदनीयम्म

लोकहितम् मम करणीयम् ॥धृ॥

न भोग भवने रमणीयम्

नच सुख शयने शयनीयम्अहर्निशम्
जागरणीयम्

लोकहितम् मम करणीयम् ॥१॥

न जातु दुःखम् गणनीयम्

नच निज सौख्यम् मननीयम्

कार्य क्षेत्रे त्वरणीयम्

लोकहितम् मम करणीयम् ॥२॥
दुःख सागरे तरणीयम्
कष्ट पर्वते चरणीयम्
विपत्ति विपिने भ्रमणीयम्म्
लोहितम् मम करणीयम् ॥३॥
गहनारण्ये घनान्धकारे
बन्धु जना ये स्थिता गह्वरे
तत्र मया सन्चरणीयम्
लोतम् मम करणीयम् ॥४॥

साभार

-रिद्धिमा सिंहकक्षा
VII अ

रामायण की प्रमुख सूक्तियाँ

(1) स्त्रीणां भर्ता हि देवता।

(2) न मिथ्या ऋषिभाषितम्।

(3) वने दोषा हि बहवः।

(4) स्त्रीणां पवित्रं परमं पतिरेको विशिष्यते ।

(5) उत्साहवन्तः पुरुषाः नावसीदन्ति कर्मसु ।

(6) अप्रियस्य च पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः।

(7) गतं तु नानुशोचन्ति गतं तु गतमेव हि।

(8) अलङ्कारो हि नारीणां क्षमा तु पुरुषस्य वा।

(9) कामात्मता नं प्रशस्ता

(10) न सुखाल्लभ्यते सुखम्।

(11) नास्ति पुत्रसमः प्रियः।

महाभारत की सूक्तियाँ

(1)अहिंसा परमो धर्मः (वनपर्व)।

(2)आनशस्यं परमो धर्मः (वनपर्व)।

(3) सर्वधर्मा राजधर्मप्रधानाः (शान्तिपर्व) ।

(4) पुराणपूर्णचन्द्रेण श्रुतिज्योत्स्नाः प्रकाशिताः।

(5) आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्।

(6) बहुद्वारस्य धर्मस्य नेहास्ति विफला क्रिया।

(7) धर्मे मतिर्भवतु व:

(8) यतो धर्मस्ततो जयः।

(9) दानं हि महती क्रिया।

(10) धारणाद् धर्ममित्याहु धर्मो धारयते प्रजाः।

(11)मायाचारोमाययावर्तितव्यः,साध्वाचारःसाधुनाप्रत्युय।

(12) नास्ति मातृसमो गुरुः।

(13) महाजनो येन गतः स पन्थाः।

(14) सर्वः सर्वं न जानाति, सर्वज्ञो नास्ति कश्चत ।

(15) माता गुरुतरा भूमेः।

(16) गुरुणा चैव सर्वेषां, माता परमेको गुरुः।

(17) नास्ति विद्यासमं चक्षुः।

साभार

-वैभव पुरी
VIII ब

सुभाषितानि

पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्न
सुभाषितम्।
मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा
विधीयते।।1।।

सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रविः।
सत्येन वाति वायुश्च सर्व सत्ये
प्रतिष्ठितम्।।2।।

दाने तपसि शौर्ये च विज्ञाने विनये नये।
विस्मयो न हि कर्त्तव्यो बहुरत्ना
वसुन्धरा।।3।।

सद्धिरेव सहासीत सद्धिः कुर्वीत
सङ्गतिम्।
सद्धिर्विवादं मैत्रीं च नासद्धिः
किञ्चिदाचरेत्।।4।।

धनधान्यप्रयोगेषु विद्यायाः संग्रहेषु च।
आहारे व्यवहारे च त्यक्तलज्जः सुखी
भवेत्।।5।।

क्षमावशीकृतिर्लोके क्षमया किन् न
साध्यते।
शान्तिखड्गः करे यस्य किन् करिष्यति
दुर्जनः।।6।।

<u>हिन्दी विभाग</u>

अनुक्रमणिका

- आज
- राही
- अर्बुदांचल
- बूझो तो जाने
- मैने कुछ नही किया
- तितली रानी
- गूगल
- नया जमाना
- स्वदेश
- विज्ञान
- माँ तुझे भूल नहीं पाऊंगा
- मै क्या बनू
- सुनना भी एक कला है
- कलम,आज उनकी जय बोल

आज!!

आज गांव ही अच्छे लग रहे है, शहर बने महामारी के घर है ।आज गांव के घर ही खूब बड़े लग रहे है, नीम की हवा ही शीतल लग रही है, आज गांव ही भय मुक्त है , सब यहां महामारी से मुक्त है, शुद्ध हवा शुद्ध आहार सबकुछ प्रदूषण मुक्त है आज गांव ही लग रहे जन्नत है । गंवार कहलाने वाले ही सबसे ज्यादा जागरूक है , आज अग्निपरीक्षा में खरे उतर रहे मेरे गांव है।कोरोना से लडने को सब तैयार है ,महामारी से लडने उतरे जांबाज है ,आज मेरे गांव महामारी को हराकर अपनी जीत दर्ज कराएंगे, गांधी के सपनों के भारत को साकार बनाएंगे।

-श्रीमती सोनल शर्मा

स्नातकोत्तरल शिक्षिका (हिन्दी)

राही

चल राही बढ़ राही,तू गिरकर उठ राही,
कंटर राह के तू
चूनता चल राही ।
सागर की मसती है लहरौं पर कशती है,
एक तिनके के सहारे तू तरता चल राही।
अंधेरे में जिदंगी जब बेबस है पडी,
उम्मीद की मशाल से रोशन करता चल राही।
रोडे भरे है राह पर मूसीबतो के,
एक कर एक उनको तू धरता चल राही ।
बिखरे जो शिशै है मेरे ही अक्स के,
जूड़ता बटोरता तू बढ़ता चल राही।

न टूटना न हारना,थकाना ना कभी,
हौसलौं के पंख से तू उड़ता चल राही
नाम भी मिलेगा, दाम भी मिलेगा,
बस एक विशवास के साथ, तु चलता चल राही

-हीना परमार

अर्बुदांचल

सूरज की किरण से खिल जाता
है पर्वतों का चेहरा,
जिसके सर पर रहता है, माँ अर्बुदा का
पहरा।
राजस्थान का कश्मीर नाम है इसका,
शीतल हवा से पावन करना काम है
इसका
33करोड़ देवी देताओ का धाम है,
शिव महिमा का हवाऔ में साम-गान है।
आमी, एयर- फोस ,सी.आर.पी.एफ
निगेहबान है,
गुरु शिखर जैसा उच्चतम पहाड़ है।
नक्की लेक जैसे जल स्थान है,
संत सरोवर का महाज्ञान है।
चट्टानों का गंभीर अभिमान है।
ऐसा माँ अर्बुदा का आबू महान है।
भालू को देखने का मौका है मिलता,
कभी-कभी दर्शन तेंदुआ भी देता।
जैन-मंदिर है देलवाड़ा की पहचान
पाण्डव भवन, पीस पार्क है शांति के
उपनाम
पयटन में है यह बेजोड़,देखने आते
इसे लोग।
माँ भवानी का आशीर्वाद है बरसाना,
तभी जन-मन खुशियों से है सरसता।

-शक्ति सिंह
12(अ)

बूझो तो जाने

1.घेरदार है लहगाँ इसका,
एक टागाँसे है खडी।
करते है या सब चाह इसकी,
वर्षा हो या धूप कड़ी ।
2. पृथम कटे टाई बन जाए,
कोई न उसको गले लगाए।
बिछाने के आती है काम ,
जल्दी बताओ इसका नाम।

3. दो अक्षर का मेरा नाम ,
खाने मे मै आता काम ।
अपने वर्ग का राजा हूँ ,
उल्टा करो नाच दिखाऊँ ।
4. मै बिमार नही हूँ रहती ,
फिर भी खाती हूँ गोली ।
बच्चे – बूढे
सब है डरते ,
सुनकर के मेरी बोली।

उत्तर :1 छाता
2 चटाई
3 चना
4 बींदक

मैने कुछ नहीं किया

मैने कुछ नहीं किया
सहि कहते हैं कि मैने कुछ नही किया व्यर्थ ही
जीवन जीया,
क्योंकि मैने कुछ नही किया |
अरमान बहुत सारे माँ बापू के
समझा नहीं मूल्य दिनमान के |
सिफ समय ही गवाया मैने
जीवन को तनिक भी नहीं बनाया
मैने कुछ नहीं किया,
छिपी है, भावना अकर्मण्यता की इसमें
कहो कि कर्म को अस्त्र बनाऊंगा अपना,
आलसय को दूर भगाउगा |
हूँ मैं उस अखिल का अंश,
जीवन को प्रशस्त्त पर मानवता का वंश बढ़ाऊंगा।

-नेहा पाराशर
12-अ

तितली रानी

रंग-बिरंगी उड़ती तितली
आकाश की शोभा है तितली,
फूलो से रंगो को चुराती,
हर जन-मन को हे लुभाती,
कली-कली से रस चुराती,
नन्हें बच्चों को हे भगाती,
पकड़ में हैजि आ जाती,
अपने पन की है, छाप लगाती
बिना डोर की पतंग सी उडती
सबके मन खूब ललचाती ।
सुनी सुंदर-सुंदर रानी की कहानी
पर नही तुम सी कोई सुंदर रानी।

-मन कुमारी
12-ब

गूगल

गूगल है ज्ञान का खजाना
जिसने इसे सही पहचाना
जब भी कोई प्रशन जहेन में आया,
फट से गूगल दादा ने बताया,
जुड गए इससे सच्चा मीत बनाया,
सुलझाता पल में सैकंडो सवाल,
करता शांत हर मन की जिज्ञासा
चलता-फिरता ज्ञान- विज्ञान का साझी,
इंटरनेट से जुडी है, इसकी काया,
बदल के रख दी, इसने दुनिया की माया ।
वॉट्स-एप, फे स-बुक, टीवट् है, इसके अनुयायी
खोली जिन्होने सबकी कलाई । -मोईनुद्दीन कुरैशी
लाकर सबको एक धेरे में, 12-अ
मुट्ठी में इसकी दुनिया समाई।

नया जमाना

नया ज़माना आया है ,
हर आँखो में सपने लाया है ,
तकनीक ,यत्रों की दुनिया में ,
नई -नई रोज तरक्की ---नया ज़माना ,
बैठे -बैठे सूचना पाओ ,
देश – विदेश के कोनों – कोनों की।
पल – पल की खबर है लाता
इंटरनेट , मोबाइल कमाल का नया ज़माना
मोटर , ट्रेन हवाईययान में
मन करे कर लो सैर जिसमे ,
आज यहाँ कल कहाँ नये जमाने की पहचान नया ज़माना
नया ज़माना उसे फलेगा ,
परिश्रम को जो नही भुलेगा ।

- निकिता प्रजापति
12-अ

स्वदेश

यहा की सुबह – शाम निराली ,
हर खेतों में छाई हररयाली ।
पहाडों पर है, देवियों का
आवास ,
हर नर – नारी में देवों का
वास ।
ऐस मेर देश निराल ।
जह हर ऋतु डाले अपना रंग ,
भर दे हर जन- मन में उमंग
।
ऐसा मेरा देश निराला।
बापू, भगतसिंग , वीर शिवाजी
राजगुरू , भीम ,सरदार है
स़पूत इसके
खटकते इसकी आँखो में
आतंकी कपूते ।
ऐसा मेरा देश निराला |
नदिया ,झरने ,सागर –
सरररताएँ,
अरावली ,विंध्याचल ,
मंदराचल ,
दिलाते इसको अनूठी पहचान।
ऐस मेरा देश महान।
अतथि जहा है भगवान समान,
ऐसा मेरा देश निराला ।

विज्ञान

सुख सुविधा का दाता ,
जिन्दगी का है र्निमाण
विज्ञान मानव जीवन का तोफा
मानव पर बरसाती निति नये
आविषकार की बरसात |
जीवन जीने का है वरदान,
हथेली पर समा जाते धरती आकाश ।
हर एक मानव का संगी साथी ,
मानव जीवन के लौए हैं, सच्ची थाती ।
सही उपोयोग है, तोफा
दुरुपयोग से होती धरा का सहार।

भुमिका नायक (12 ब)

माँ तुझे भूल नहीं पाऊगां

नीदं की वह लोरिया
तितलीयों राजाओं व भूत की कहानियां
मां मुझे याद आती है।
पतंगों के चमकीले इशारो पर तील के लड्डू की महक
गलियों में दोस्तों की किलकारियो की पुकार
मां मुझे याद आती है।
गलतियों पर लकड़ियों से मारना
रोने पर फिर चुप करना
मां मुझे याद आती है।
घडी की तरह जल्दी उठना और
तैयार कर समय से स्कूल भेजना
मां मुझे याद आता है|
रात में अकेलेपन से डर जाना
अगले ही पल तेरे सीने से लिपट जाना
मां मुझे याद आता है।

मेरे खुशी को अपनी खुशी समझना
सारा वक़्त मुझ पर ही बिताना
मां मुझे याद आता है।
वे बातें जो बीत गई मां
रह रह कर याद आती है।
कभी उलझती, कभी तडपतीहै
लेकिन इस एहसास को कभी भूल नही
पाऊंगा
जो एहसान है, तेरा मुझ पर, मैं वह
कैसे चुकाऊंगा
कुछ भी हो जाए,
मैं तुझे कभी भी भूल नही पाऊंगा ।

पूजा पूर्विया
12- ब

मै क्या बनू

बनना चाहती थी कलाकार ,
बन बैठी मैं कामगार ,
मन में सपनों का संसार ,
कैसै होगा यह जीवन – पार ।
काम कठिन कामगार का है ,
प्रश्न बड़ा मिलनेवाली पगार का है ,
काम मिले तो मीले पगार ,
वरना समय बीते बेकार ।
फिर सोचा मैंक्यों बनू कामगार ,
काम करने का है एक और संसार ,
मन ने सोचा क्यों न बनू संगीतकार ,
किंतु आती नहीं संगीत की लयकार ।
गाते ही जूड जाते काक – मसयार ,
सोचा फिर ,छोड़ो क्या रखा है बनने में ,
बनना – बिगड़ना उस खुदा की देत है ,
बढना कर्मपथ पर आदमी का नेम है।

सुनना भी एक कला है!

कुछ कहना, कुछ सुनना तो,
वक्त की जरूरत होती है।
कुछ खोकर पाना,
हमारी आरज़ू होती है।
बिना पूछे सब कुछ बताना,
हमारी आदत होती है।
तुम महफूज रहो,
ये हमारी ख्वाि◌हहश होती है।
भूल कर भी भूल न पाओ,
ये हमारी चाहत होती है।
तुम हर जगह मुझो पाओ,
यही हमारी हिदायत होती है।

धुंधलापन ही तो पानी की
सूरत होती है।
बिन अक्षरों के समझाना भी
तो एक कला होती है।
इसलिए तो
कुछ कहना और कुछ सुनना
वक्त की जरूरत होती है।
कहने को बहुत कुछ है हमारे पास
किंतु धयाा से सुनना है
कुदरत की सौगात।।

- अजंली कुंवर

कलम, आज उनकी जय बोल

जो अगणित लघु दीप हमारे
तुफानों में एक किनारे
जल-जलाकर बुझ गए किसी दिन
मांगा नहीं स्नेह मुंह खोल
कलम, आज उनकी जय बोल

पीकर जिनकी लाल शिखाएं
उगल रही लपट दिशाएं
जिनके सिंहनाद से सहमी
धरती रही अभी तक डोल
कलम, आज उनकी जय बोल।

-सुभम साउद
12-अ

English Section

Contents

- Pandemic of peace
- Tree
- Friendship
- Why not a girl child?
- Mirror-Mirror
- Let’s Go
- Homecoming
- I am a teacher
- Mirror
- Lost and found

Pandemic of peace

Life was always fast paced, we never slowed down,

Until everything stopped when corona came to town.,

Now all is quiet, and peace all around,

We looked in our hearts and kindness we found.,

I miss my friends, my school, my teachers,

I miss sharing fun times making me sad.,

We had social distancing pincins,social distancing walks,
Social distancing hugs and social distancing talks.,

When can I throw open my arms wide,
And shout to the world that, 'WE CAN GO OUTSIDE'.,

Don't give up hope, the end is insight,
If we all stick together we all can win this FIGHT.

- Akriti Singh
  9th B

Tree

With brown branches and green stem,
Nearing to close to be extinct .
I am talking about a tree,
We should let it be free,
Free to live, free to be alive,
Free to all the birds that arrive.
A tree has eyes ,nose and mouth,
But these are deep inside the ground.
So it can't smile or frown ,
But we must make it earth's crown.
Crown of greenery and of peace,
Crown of every living beings.
We should preserve tree for future,
Or else we won't have a future.

-Kinjal Sarkar,
9th A

Friendship

Friendship is like a China cup,
Costly, rich and rare,
But if once it breaks it cannot be mended,
The cracks remain forever.
Friendship is the arithmetic ,,,,
Friends to add,
Enemies to subtract,
Toys to multiply,
And sorrows to divide.
Make new friends,
But do not forget old ones,
Because old is gold,
And never is to be sold.

Aarti Kumari,
12th B

Why not a girl child??

People wish for a boy,
Not a girl,
Their wishes are for boys,
not for girls.
But,,
When they need courage,
they pray to Goddess, Durga,
When they need knowledge,
they pray to Goddess, Saraswati,
So why do they not need a Girl child in
the family??.

-Siya Pandey
12-A

Mirror-Mirror

Mirror,Mirror on the wall,
Can't you show me tall and thin?
Mirror,Mirror, on the wall,
Must I cool so bloody grain?

Mirror, mirror on the wall,
Are you distracting my poor waist?
Mirror, mirror on the wall,
And why the heck am I diced?

Mirror, mirror on the wall,
Why do I have double chin?
Mirror, mirror on the wall,
And what the stupid goofy grin.

Mirror, mirror on the wall,
Paint less asking who is the fairest ,
More bloody that who is the queerest,
Now look I had pay a big buck of three,
So why can't you be nice to me.

Mirror, mirror on the wall,
Who is the fairest of all.
Me you say !ah that's better.

Mirror you the bloody fiber.

-Dishan Vaishnav
12-B

Let's Go

Stretch high

Stretch wide

Jump forward

Jump back

Lean left

Lean right

Hop once

Hop twice

Reach up
Reach down
Twist small
Twist tall

Shake fast
Shake slow
Touch nose
Touch toes

Homecoming

When they brought me home,
Barbecued,
With the smell
Of rationed kerosene in the air,
You gave me space
In the morning paper
That found its way
Later,
Around a poly cotton blouse
From the local tailor.
The fire had covered the bruises
And you covered the rest.
You, who hardly knew me,
Spun my yarn and sang it
With proper sighs
And yawning pauses,
The horror and bane
Tearing through
Dramatically dilated pupils,
The wretchedness and pain
Drenching your sleeves
From onion-stinking eyes.
But.....
Had I dared to come back
alive....
I would have lived my story
While you,
You would have scribbled
A moral on my back.

-Sreeja Nair
PGT English

I am a teacher

I am a teacher ,
I love classrooms and
desks When classes
are full of bright eyes
and thumps
Blackboard and chalk
were my friends
Inspiring and opening
the door of knowledge
was my traits,

I am a teacher
I switched my mode
from offline to online
Google Meet and
Google classroom are
my new friends
E- attendance are my
new custom
Where I wait for my
students to come

I am a teacher
Now lappy and computers are my new classroom,
Waiting for my students to enter G suits is my a new custom
Checking assignments on Google classroom is another custom

Yes, I am a teacher
I call my students when they do not turn up online, As worrying for their loss is part of my Essence,
Next day explaining the same thing is another custom,

Yes, I am a teacher
Learning about new ways to keep my students engage
Learning about new activities to keep their learning safe
Now students learn better in their bedroom, kitchen or open space
Yes I am proud to be a teacher.

-Tanu Khurana
TGT English

Mirror

I lie to my mirror
And it lies to me
It shows me the light which never existed
And again I lied and trusted that light

I am beauty and the mirror shows me that
But in reality you can't even find yourself

You are heartbroken
Mirror only shows your crying face
You can show your true self and
Patience to your imaginary Mind

-Mouli Pandey
XI B

Lost and found

Meow!

A kitten mewed.

The kitten was two and a half months old.

She lived in a corner of the street safe

from the predators.

She was bored staying in the same place

though her siblings didn't think the same.

The kitten had tabby fur and yellow eyes.

Then mamma cat tells all the kittens that its bedtime.

All the kittens come close to mamma cat.

The tabby kitten asks her mother-

"Mamma when will we be allowed to go out.

I'm bored staying here and playing with sticks.

I want to catch real mice.

My teeth are also coming out…..

Tell me when will we go out?'' Mamma cat replied

''Hmm.. I think you all can come along with me a few

days later and I will teach you to hunt.

I'll teach you what is dangerous and what is not."

-Nayanika Nair

VI-A

Our Campus

केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA

REDMI NOTE 7S
AI DUAL CAMERA

POCO
SHOT ON POCO F1

सुस्वागतम्
NO MASK
NO ENTRY
CAUTION
COUGH
SNEEZE
SLEEVE

K.V. I.S.A. MOUNT AB U

HONEST
FAITHFUL
OBEDIENT
आज्ञाकारी
HELPFUL
सहायक
CHEERFUL
प्रसन्न
GENIUS

THE CREATIVE ZONE

The
Rights
RIGHT TO EQUALITY
RIGHT AGAINST EXPLOITATION

THE
ZONE
WARLI PAINTING

PUSH
LIFE

POCO
SHOT ON POCO F1

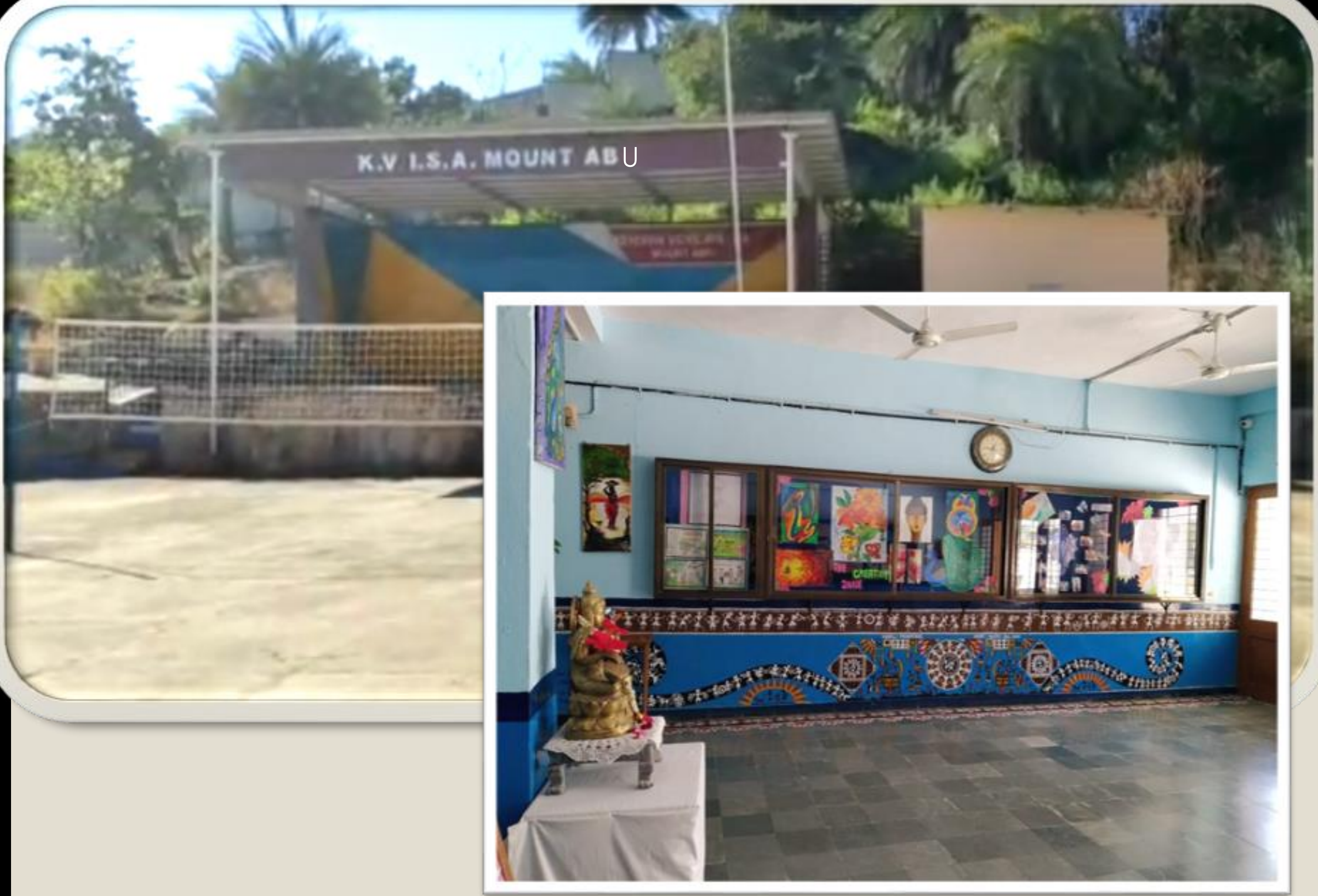
K.V I.S.A. MOUNT ABU